कोविड-19 के बाद नए अवसरों को किया साझा

ग्रेटर नोएडा। जिम्स इंजीनियरिंग कॉलेज में ऑनलाइन राष्ट्रीय संगोष्ठी हुई। मुख्य अतिथि जीबीयू के कुलपति प्रो. बीपी शर्मा ने कहा कि भारत से चीनी उच्च प्रौद्योगिकी निर्यात 30 गुना अधिक है। उन्होंने नीतिगत हस्तक्षेप, नियामक तंत्र, तीसरी औद्योगिक क्रांति के वर्तमान परिदृश्य, खेती और रक्षा पर प्रकाश डाला गया।

कैपिटल ज़ोन

कोरोना के बाद नए अवसर एवं चुनौतियां के विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी

ग्रेटर नोएडा, 11 जुलाई (देशबन्धु)। ग्रेटर नोएडा के जिम्स इंजीनियरिंग कॉलेज के व्यवसाय प्रबंधन विभाग द्वारा ऑनलाइन राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी का शुभारंभ डिजिटल दीप प्रज्वलन से हुआ, कार्यक्रम के मुख्य अतिथि गौतमबुद्ध विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बीपी शर्मा, विशिष्ट अतिथि उपकार सिंह निदेशक-तकनीकी, आईएसएस ग्लोबल, मुख्य वक्ता आशीष श्रीवास्तव डायरेक्टर आवाई फाउंडेशन रहे। संस्थान के निदेशक डॉ. आरके रघुवंशी ने अपने स्वागत भाषण में भारतीय कंपनियों द्वारा हाल ही में किए गए एडवांसमेंट और भारत सरकार की भूमिका के बारे में बताया। समारोह में मुख्य अतिथि, प्रो.बीपी शर्मा ने कहा कि भारत से चीनी उच्च प्रौद्योगिकी निर्यात 30 गुना अधिक है। उनके अनुसार, सॉफ्टवेयर उत्पाद बाजार में, भारत की हिस्सेदारी 1 प्रतिशत से कम है। उन्होंने नीतिगत हस्तक्षेप, नियामक तंत्र, तीसरी औद्योगिक क्रांति के वर्तमान परिदृश्य, लघुउद्योग और खेती से रक्षा तक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की भूमिका पर प्रकाश डाला। सम्मेलन को संबोधित करते हुए, उपकार सिंह ने कहा कि घर से काम करने से सामाजिक परिवर्तन होगा। उन्होंने उद्योग 4.0 में स्मार्ट प्रौद्योगिकी की भूमिका के बारे में बताया। उनके अनुसार, घर से काम करना एक व्यवहार्य विकल्प नहीं है। अपने उद्बोधन में कोविड-19 के बाद आईटी उद्योग क्रांति पर पर जोर दिया। मुख्य वक्ता आशीष श्रीवास्तव ने तकनीकी विकास की भूमिका के बारे में बताया। उन्होंने स्थायी विकास लक्ष्यों और सहस्राब्दी विकास लक्ष्यों पर चर्चा की। उन्होंने बेहतर डेटा विश्लेषण के महत्व को भी समझाया। इसके अलावा, उनके अनुसार, संपूर्ण सीएसआर गतिविधियां प्रभावित होती हैं। इस संगोष्ठी में पूरे भारतवर्ष की 12 राज्यों से 80 से अधिक शोध पत्र प्राप्त हुए जिनमें से 44 शोधार्थियों ने अपने शोध पत्रों को प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में शोध पत्रों के संकलन का पुस्तक के रूप में विमोचन किया गया। शोध पत्रों के प्रस्तुतीकरण के लिए उत्कृष्ट प्रस्तुतीकरण का पुरस्कार चंडीगढ़ के सिमरन जीत कौर बग्गा, बेंगलुरु से फिरदौस खघन तथा नोएडा के दीपक चक्रवर्ती को उत्कृष्ट शोध कार्य तथा प्रस्तुती करण के लिए दिया गया।

जागरण सिटी ग्रेटर नोएडा

दैनिक जागरण नई दिल्ली, 12 जुलाई, 2020 www.jagran.com

प्रौद्योगिकी निर्यात को बढ़ाने की है आवश्यकता

जासं, ग्रेटर नोएडा: नॉलेज पार्क स्थित जिम्स इंजीनियरिंग कॉलेज में व्यवसाय प्रबंधन विभाग की ओर से वेबिनार का आयोजन किया गया। वेबिनार का विषय इंडस्ट्री 4.0 में नए अवसर व चुनौतियां था। वेबिनार के मुख्य अतिथि गौतमबुद्ध विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर भगवती प्रकाश शर्मा और विशिष्ट अतिथि उपकार सिंह थे।

भगवती प्रकाश शर्मा ने कहा भारत के मुकाबले चीन का प्रौद्योगिकी निर्यात लगभग तीस गुना अधिक है। सॉफ्टवेयर उत्पाद बाजार में भारत की हिस्सेदारी एक फीसद से भी कम है। ऐसे में हमें प्रौद्योगिकी निर्यात बढ़ाने की आवश्यकता है। उपकार सिंह ने कहा घर से काम करने से सामाजिक परिवर्तन होगा। इंडस्ट्री 4.0 में स्मार्ट प्रौद्योगिकी की आवश्यकता है। कहा कोविड-19 के बाद आइटी उद्योग में क्रांति आएगी।

आशीष श्रीवास्तव ने स्थायी विकास लक्ष्यों पर अपना विचार व्यक्त किया। संस्थान के निदेशक आरके रघुवंशी ने

ग्रेटर नोएडा के नॉलेज पार्क स्थित जिम्स इंजीनियरिंग कॉलेज द्वारा आयोजित वेबिनार को संबोधित करते गौतमबुद्ध विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर भगवती प्रकाश शर्मा ● सौ. आयोजक

भारतीय कंपनियों की तरफ से हाल में किए गए बदलाव पर चर्चा की। वेबिनार में 12 राज्यों से 80 से अधिक शोध पत्र प्राप्त हुए। कार्यक्रम के समन्वयक मयंक पांडे ने बताया पूरे देश से 277 लोगों ने हिस्सा लिया।

गौतमबुद्ध नगर की अन्य खबरें >>
www.jagran.com पर पढ़ें